University in News on 12 January 2020

NAVBHARAT TIMES

एलयू में बनेगा वर्ल्ड क्लास स्विमिंग पूल

करीब एक करोड़ 10 लाख रुपये आएगा खर्च, स्पोर्ट्स ग्राउंड, मल्टीपर्पज हॉल की भी मिलेगी सुविधा

■ एनबीटी, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स को जल्द ही स्पोर्ट्स ग्राउंड, मल्टीपर्पज हॉल और वर्ल्ड क्लास स्विमिंग पूल की सुविधा मिलेगी। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय से इन प्रस्तावों पर चर्चा के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ऐथलेटिक असोसिएशन ने तैयारी शुरू कर दी है।

लखनऊ ऐथलेटिक असोसिएशन के चेयरमैन डॉ. नीरज जैन ने बताया कि एलयू के ओल्ड कैंपस में स्विमिंग पूल बनाया जाएगा।

आज की अच्छी खबर

इसके लिए फिजिकल एजुकेशन के पीछे और सुभाष हॉस्टल के सामने जगह देखी गई है। इसे बनाने में कम से कम एक करोड़ 10 लाख रुपये की लागत आएगी। वीसी की अनुमति लेकर जल्द ही इसकी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बता दें कि एलयू के हर वर्ष स्टूडेंट्स से 125 रुपये स्पोर्ट्स शुल्क के रूप में जमा करवाई जाती है।

शिक्षकों और कर्मचारियों को भी सुविधा

स्विमिंग पूल का लाभ स्टूडेंट्स के अलावा शिक्षक और कर्मचारी भी उठा सकेंगे। फिलहाल कोई फीस नहीं ली जाएगी। हालांकि, बाहरी लोगों को इसकी सुविधा देने के लिए फीस तय की जाएगी।

ओल्ड कैंपस में इंडोर गेम्स की सुविधा

डॉ. नीरज जैन के मुताबिक, ओल्ड कैंपस में एक मल्टीपर्पज हॉल भी बनवाए जाने की योजना है। इसमें स्टूडेंट्स को बैडमिंटन, बास्केट बॉल, ताइक्वॉन्डो सहित कई इंडोर गेम्स की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

न्यू कैंपस में बनेगा वॉलिबॉल और बास्केट बॉल कोर्ट

जानकीपुरम के एलयू न्यू कैंपस में जल्द ही वॉलिबॉल कोर्ट, बास्केट बॉल कोर्ट संग स्पोर्ट्स ग्राउंड बनाया जाएगा। इसे बनाने के लिए रजिस्ट्रार एसके शुक्ला ने पांच सदस्यीय कमिटी बनाई है। इसमें स्पोर्ट्स कॉलेज के प्रिंसिपल, स्पोर्ट्स डायरेक्टर की ओर से नामित व्यक्ति, एलयू के निर्माण अधीक्षक, डिप्टी रजिस्ट्रार जनरल एडमिनिस्ट्रेशन, आईएमएस के ओएसडी प्रो. एमके अग्रवाल शामिल हैं।

8 फरवरी को वॉकथन-2020

आठ फरवरी को एलयू की ओर से वॉकथन-2020 होगी। ओल्ड से न्यू कैंपस तक होने वाली इस वॉकथन में शिक्षक, छात्र और कर्मचारी शामिल होंगे। वीसी ने इसकी जिम्मेदारी ऐथलेटिक असोसिएशन को दी है।

खुल गया जिम्नेजियम, लगने लगे उपकरण

फरवरी से एलयू स्टूडेंट्स को मिलनी शुरू हो जाएगी सुविधा

एनबीटी के 2 जनवरी के अंक में खबर प्रकाशित की थी, जिसके बाद उपकरण निकाले गए।

■ एनबीटी, लखनऊ : आखिरकार एलयू प्रशासन को महाराज सिंह जिम्नेजियम के पास मिल्क बार कैंटीन के कमरे में रखे लाखों रुपये के उपकरण की सुध आ गई। एलयू ऐथलेटिक असोसिएशन के चेयरमैन डॉ. नीरज जैन ने शनिवार को उपकरण देने वाली कंपनी के लोगों को बुलवाकर धूल फांक रहे उपकरणों को बाहर निकलवाया और उन्हें जिम्नेजियम में लगवाना शुरू करवा दिया। एनबीटी ने दो जनवरी के अंक में 'धूल फांक रही फिटनेस' शीर्षक के साथ खबर प्रकाशित की थी। डॉ. जैन का कहना है कि फरवरी में स्टूडेंट्स को इसकी सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी।

एलयू के कॉमर्स विभाग के पास 50 साल से ज्यादा पुराना महाराज सिंह जिम्नेजियम है। इसमें पूर्व वीसी प्रो. एसपी सिंह के कार्यकाल में करीब ₹30 लाख के जिम उपकरण खरीदे गए थे, लेकिन उसके बाद उपकरण मिल्क बार कैंटीन के एक कमरे में बंद करके रख दिए गए। इस खबर को एनबीटी ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था, जिसके बाद विवि प्रशासन ने जल्द इसे शिफ्ट करने की बात कही थी।

ऑनलाइन पढ़ सकेंगे रिसर्च जर्नल, 50 हजार से ज्यादा ई-बुक्स

■ एनबीटी, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) इस सत्र से स्टूडेंट्स को ऑनलाइन रिसर्च जर्नल, 50 हजार से ज्यादा ई-बुक्स की सुविधा देने जा रहा है। इसके लिए एकेटीयू ने ई-कंसॉर्टियम तैयार किया है। इस पर लॉगिन करके स्टूडेंट्स पूरी दुनिया में हो रही नई रिसर्च और जर्नल को पढ़ सकेंगे।

इस सुविधा के लिए कॉलेजों को 13 जनवरी को दोपहर तक अनिवार्य रूप से ईआरपी पर उपलब्ध ई-मेल का सत्यापन पोर्टल के माध्यम से करना होगा। कुलसचिव नंद लाल सिंह की ओर से कॉलेजों को निर्देश जारी कर दिया गया है। सत्यापन के बाद यह सुविधा मिलनी शुरू होगी। ऑनलाइन रिसर्च जर्नल, 50 हजार से ज्यादा ई-बुक्स की सुविधा के लिए बीटेक, एमबीए व एमसीए के स्टूडेंट्स को ₹700 सालाना फीस जमा करनी होगी। वहीं, रिसर्चर के लिए शुल्क ₹1000 सालाना है।

RASHTRIYA SAHARA

कुलपतियों के आवेदन अब ऑनलाइन हों

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
लखनऊ।

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के समक्ष आठ कुलपतियों ने अपने-अपने विश्वविद्यालय के नैक मूल्यांकन के संबंध में की गयी तैयारियों का प्रस्तुतिकरण दिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने निर्देश दिया कि अव सभी कुलपतियों के आवेदन और अवकाश की प्रक्रिया आनलाइन होगी। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिये विश्वविद्यालयों के नैक मूल्यांकन को आवश्यक माना गया है। इससे पूर्व राज्यपाल ने 6 सितम्बर, 2019 को विश्वविद्यालयों के कुलपतियों संग नैक मूल्यांकन के संवंध में बैठक कर विचार-विमर्श किया था और जरूरी दिशानिर्देश दिये थे। इसी को लेकर दो दिनों तक चली बैठक में शनिवार को राज्यपाल ने कहा कि नैक मूल्यांकन कराने में किसी तरह की कोताही न बरती जाये। उन्होंने कहा कि नैक मूल्यांकन के लिए जो प्रस्तुतिकरण तैयार किया जाये, वह वाहर से न कराकर विश्वविद्यालय में उपलब्ध आंतरिक संसाधनों का उपयोग करते हुए किया जाये। विश्वविद्यालय समय-समय पर अपने पाठ्यक्रम को अद्यतन (अपग्रेड) भी करते रहें।

आठ कुलपतियों ने अपने-अपने विवि के नैक मूल्यांकन के संबंध में की गयी तैयारियों का प्रस्तुतिकरण दिया

प्रस्तुतिकरण बाहर से न कराकर विवि में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए किया जाये : आनंदीबेन

विवि समाज की समस्याओं को हल करने में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें

श्रीमती पटेल ने कहा कि कुलपति अपने छात्रों के साथ निरन्तर संवाद वनाये रखें, जिससे विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण वना रहे तथा पठन-पाठन में गुणात्मक सुधार हो। उन्होंने कहा कि कुलपति छात्रावासों में जाकर वहां की समस्याओं को देखें तथा निराकरण कराने के साथ-साथ समसामयिक विषयों पर छात्रावासों में चर्चा का आयोजन कराते रहें। राज्यपाल ने कहा कि समाज, गैर सरकारी संगठन और विश्वविद्यालय आपस में कैसे जुड़ें, इस पर विश्वविद्यालयों को विचार करना चाहिए। इससे पूर्व राज्यपाल ने राजभवन की वेवसाइट में दो माड्यूलों को जोड़ने का शुभारम्भ किया। वेवसाइट में नये जुड़ने वाले माड्यूलों के माध्यम से कुलपति एवं निदेशक के अवकाश तथा कुलपति एवं निदेशक के पद के लिए आवेदन की प्रक्रिया को भी ऑनलाइन किया गया है। बैठक में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार, अपर मुख्य सचिव राज्यपाल [...] प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा आर रमेश कुमार, विशेष सचिव डॉ. अशोक चन्द्र, विशेष कार्याधिकारी उच्च शिक्षा [...] विषय विशेषज्ञ प्रमिला मैनी, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति डॉ. राम [...] अवध विश्वविद्यालय फैजावाद प्रो. मनोज दीक्षित, कुलपति दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रो. [...] कुलपति डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ प्रो. राणा कृष्ण पाल सिंह, कुलपति उत्तर [...] टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय प्रो. [...] कुलपति सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय प्रो. राजाराम शुक्ला, कुलपति ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, [...] विश्वविद्यालय प्रो. माहरूख मिर्जा के अलावा अन्य संवंधित अधिकारी उपस्थित थे।

AMAR UJALA-MY CITY

एलयू से निकलेंगे 'विजेंदर' और 'मैरीकॉम'

ओल्ड कैंपस में बनेगा बॉक्सिंग रिंग, नये परिसर में भी छात्रों को मिलेंगी तमाम खेल सुविधाएं

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय आने वाले दिनों में विश्व स्तर पर नाम रोशन करने वाले विजेंदर और मैरीकॉम जैसे बॉक्सर दे सकता है। विवि ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी हैं। जल्द ही विवि के पुराने परिसर में बॉक्सिंग रिंग देखने को मिलेगी। लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक्स एसोसिएशन की पहल पर इसकी कवायद शुरू हो गई है। विवि के परांजपे ग्राउंड के समीप इसकी स्थापना होगी। विवि की एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. नीरज ने यह जानकारी दी।

डॉ. जैन ने बताया कि विवि में खेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए यह बंदोबस्त किया जा रहा है। विवि में बॉक्सिंग के कई खिलाड़ी हैं। कुछ ने विश्वविद्यालयी प्रतियोगिताओं में पदक भी जीते हैं। इनकी प्रतिभा को निखारने के लिए यहां पर बॉक्सिंग रिंग बनाया जा रहा है। यहां पर योग्य प्रशिक्षकों से माध्यम से उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके बाद निश्चित रूप से यहां पदक जीतने वाले मुक्केबाज निकलेंगे।

लविवि में बन रहा बॉक्सिंग रिंग।

हॉकी, क्रिकेट, फुटबाल के खिलाड़ी भी हो रही तैयार

डॉ. जैन के अनुसार विवि के नये परिसर में भी खेल की सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। वहां पर टेबल टेनिस बोर्ड भेजे जा रहे हैं। अन्य खेलों के लिए भी वहां पर व्यवस्था की जा रही है। लविवि में इस समय हॉकी, क्रिकेट, फुटबाल, हैंडबाल के साथ ही एथलेटिक्स की विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के लिए खिलाड़ी तैयार किए जाते हैं।

AMAR UJALA

प्रोजेक्ट बनाकर सामाजिक समस्याओं को हल करेंगे विश्वविद्यालय : राज्यपाल

आनंदीबेन ने कुलपतियों की बैठक में दिए निर्देश, कहा- छात्रों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखें

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के विश्वविद्यालय विभिन्न सामाजिक समस्याओं का हल तलाशने के लिए प्रोजेक्ट तैयार करेंगे। विश्वविद्यालयों के शिक्षक तथा विद्यार्थी इस पर काम करेंगे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को कुलपतियों की बैठक में यह निर्देश दिए।

राज्यपाल ने कहा कि समाज, गैर सरकारी संगठन और विश्वविद्यालयों को आपस में जोड़ने की जरूरत है। इसके लिए विश्वविद्यालयों को विचार करना चाहिए। विश्वविद्यालय समाज की समस्याओं को हल करने में योगदान दें। छात्रों को स्थानीय आवश्यकताओं एवं समस्याओं के हिसाब से प्रोजेक्ट बनाकर उन्हें

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को राजभवन में प्रदेश के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठक की।

नैक में अच्छी ग्रेड के लिए करें तैयारियां

बैठक में कुलपतियों ने नैक की तैयारियों को लेकर प्रस्तुतीकरण भी दिया। राज्यपाल ने कहा कि नैक में सभी को अच्छी ग्रेड लानी है। इसके लिए तैयारियां अच्छी तरह से करें। प्रस्तुतीकरण में जो कमियां हैं, उन्हें आपसी समन्वय से दूर करें। विश्वविद्यालय में उपलब्ध आंतरिक संसाधनों का उपयोग करते हुए ही प्रस्तुतीकरण तैयार किया जाए।

कुलपति पद के आवेदन व अवकाश स्वीकृति ऑनलाइन

कुलपति तथा निदेशक पद के लिए आवेदन प्रक्रिया अब ऑनलाइन होगी। इसी तरह कुलपति तथा निदेशकों को अपना अवकाश स्वीकृत कराने के लिए अब ऑनलाइन आवेदन करना होगा। राज्यपाल ने इसके लिए दो पोर्टल लॉन्च किए। ये पोर्टल राजभवन की वेबसाइट से जुड़ेंगे।